

श्री स्त्री कदम, नंद दिल्ली-110001
दिनांक 29 अक्टूबर, 1995

प्रारपत्र

विषय:- उन छात्रों की आनुबृति को भंगुरी जिनके जाय कमाने वाले भाता-पिता की मृत्यु के कारण पारवार की जाय अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के उन्होंने लिए मैट्रिक्स्टर आनुबृति की कन्द्र प्राप्तिजित योजना के अंतर्गत निर्धारित जाय काना के भीतर हो जाती हो ।

इस मन्त्रालय में इण्डियन इन्स्टीच्यूट ग्राफ टैफनोलॉजी, भारत के डिप्टी रजिस्ट्रार इंस्कैड द्वारा दिनांक 27. 11. 95 का एक पत्र प्राप्त हुआ है जिसकी सध्या एक एक्स/एसीडी/बी5/95 है । पत्र में उन्होंने तुलाव दिया है उक्त योजना के अंतर्गत उस जम्यवरी को अपने वर्ष उक्त भाता-पिता की जाय को ध्वान में रख दिना आनुबृति दो जानी चाहिए जिसके जाय कमाने वाले भाता-पिता की ज्यानक मृत्यु हो जाने पे कारण पारवार जाय विद्वान हो जाता है ।

2. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के बे छात्र, जिनके भाता-पिता की जाय उक्त योजना के तहत निर्धारित जाय तीना के भीतर हो, योजना की अन्य इतरों के अनुसार अपनी पात्रता के अधिधीन शासामल के बाने योग्य है । जतः वैसे छात्र जिनके भाता-पिता की जाय जाता-पिता में से एक कन्द्रने वाले तदस्य की दुर्भाग्यवर्त मृत्यु हो जाने के कारण प्रभावता होती है और पारणामस्वल्प योजना के अंतर्गत निर्धारित जाय तीना के नीचे हो जाती है, पात्रता की अन्य इतरों दो पूरा जरूर हुए उस कीने से आनुबृति के पात्र हो जाएंगे जिस महीने में इस प्रकार की दुर्भाग्यपूर्ण पलाय घटती है । ऐसे छात्रों से आनुबृति के लिए प्राप्त जीविदन पत्रों पर अनुस्मित के जाधार पर जीविदन प्रक्रिया होने की अन्तिम तारीख ताप्त होने के बाद भा विवार किया जा सकेगा ।

3. सभी संबंधितों से अनुरोध है कि वे इसका विधिवत प्रचार करें ।

कृष्ण देव
कृष्ण कुमार
अपर तायिष, भारत सरकार
दूरभाष: 3383853

संक्षेप

सभी राज्यों/संघ राज्य पेत्रों के प्रभारी तीयव ।

प्राप्त प्रक्रिया:- सभी जारी जारी ही और कन्द्रीय विवरणालय ।